समाज SOCIETY

→ समाज अमूर्त है।

→ समाज परिवर्तनशील है।

→ समाज परिभाषात्मक है।

→ समाजशास्त्र में समाज मुख्य इकाई है।

→ समाज एक मानवीय विज्ञान है।

→ समाज मानव समाज का अध्ययन करता है अर्थात " मानव का एक समूह किसी स्थान पर रहता है और उन मानवों के बीच सामाजिक संबंध पाए जाते है उसे समाज कहते है।

→ समाज में मानवीय अन्तर्संबंधों का अध्ययन किया जाता है।

समाज की परिभाषाएं

Maciver 'n' Page → समाज परिवर्तनशील है।

सामाजिक संबंधों के जाल को समाज कहते है।

समाज एक सहयोग है जो संघर्ष से गुजरता है।

W. Green → समाज एक बहुत बड़ा समूह है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपना योगदान दे रहा है

Scanned by CamScanner

https://OnlineTestSeriesFor.com/

...idim's → समाज एक संघ है। समाज एक संगठन है। समाज वैचारिक संस्थाओं का योग है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति जुड़ा हुआ है व सहयोग करता है।

...apiyer → बहुत सारे व्यक्ति एक साथ रहने से एक समूह बना लेते है व उसमें पाई गई वैचारिक भिन्नता समाज कहलाती है।

समाज मनुष्यों का ही समूह नही है बल्कि उनके बीच पाई जाने सम्बन्धों की व्यवस्था है।

...r s Radhakrishnan → उचित विवाह ही नवनिर्माण समाज का निर्माण करता है।

...rijalt → वर्षा ऋतु से बचने के लिए जिन मानव ने परिवार का निर्माण किया होगा वह सभी परिवार मिलकर 1 समाज का निर्माण करते है।

...uber → अनेक व्यक्तियों ने इकट्ठा रहते हुए 1 बड़े समूह का निर्माण कर लिया जो आगे जाकर समाज कहलाया।

Scanned by CamScanner

समाज के आधारभूत तत्व व विशेषताएं

सामान्य रूप से समाज के 3 आधारभूत तत्व होते हैं –

1. व्यक्तियों का होना
2. समाज में सामाजिक संबंधों का होना
3. समाज में

* Johnson के अनुसार
  1. व्यापक संस्कृति
  2. स्वावलंबन | आत्मनिर्भरता
  3. निश्चित भू-भाग
  4. समूहों में अंतर्संबंध

* Gidins ने सजातीयता की चेतना को समाज का आधार

* K. Devis के अनुसार समाज के 4 आधारभूत तत्व हैं –
  - जनसंख्या का होना
  - वर्ग में विभाजन
  - सामाजिक व्यवस्था की निरंतरता
  - अन्तर्सम्बन्ध

Scanned by CamScanner

Maciver व Page ने समाज के 7 आधारभूत तत्व बताए हैं —

1. सामाजिक रीतियाँ   4. सामाजिक सहायता
2. कार्य विधियाँ   5. समूह, समूह व उनका विभाजन
3. अधिकार   6. आदर्श मानदण्ड
                7. व्यवहारों पर नियंत्रण

Maciver व Page ने समाज के 2 संबंध बताए —

1. पहला सामाजिक संबंध जिसे 'Symbiosis' कहा।
2. दूसरा भौतिक संबंध जिसे "जीन" कहा। अर्थात् साइफ्रास्टर व जीन का संयोग जैविकता व जीन में किया।

* समाज व एक समाज में अंतर

1. व्यापक संस्कृति
2. विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र
3. विस्तृत सामाजिक रीतियाँ
4. अनिश्चितता व्यवसाय

Scanned by CamScanner

...com/

31/8/16

व्यवहारों की स्वतंत्रता — व्यवहारों पर नियंत्रण

समाज की सदस्यता अनिवार्य — समाज की सदस्यता ऐच्छिक

समाज का वर्गीकरण

टॉनिज के अनुसार
→ इन्होंने समाज के वर्गीकरण को 2 भागों में बांटा

(विनसेफ्ट)

इमाइल दुर्खिम के अनुसार
समाज के वर्गीकरण को 4 भागों में बांटा है

सरल समाज

सरल मिश्रित बहुखंडीय समाज

दोहरे मिश्रित बहुखंडीय समाज

सरल बहुखंडीय समाज – भारतीय समाज

कार्ल मार्क्स व एंजिल के अनुसार
समाज के वर्गीकरण को 6

प्राचीन समाज
आदिम समाज [साम्यवादी]
सामंतवादी
वर्गविहीन [संघवादी]
एशियाई [भारतीय समाज]
पूंजीवादी –

Scanned by CamScanner

कार्ल मार्क्स व एंजेल्स ने वर्गविहीन समाज को समाज का मुख्य भाग माना है।

समाज के प्रकार :-
सामान्यतः समाज 2 प्रकार का होता है -

परम्परागत व मुक्त

सभ्यता के आधार पर
समाज 2 प्रकार का होता है -

i) आदिम समाज
ii) आधुनिक समाज

आधुनिक समाज को भी 2 भागों में बाँटा है -
औद्योगिक
उत्तर औद्योगिक

ठक्कर बापा ने सम्पूर्ण भारतीय समाज को जनजातीय समाज कहा है जिसका समर्थन डर्खीम ने किया है।

भारतीय समाज 4 प्रकार का होता है -
जनजातीय
कृषक
औद्योगिक
उत्तर औद्योगिक

जनजातीय समाज
संविधान सभा में पहली बार जनजातियों के लिए इस शब्द का प्रयोग करने वाले जयसिंह है।

Scanned by CamScanner

जनजातीय समाज के लिए एल्विन ने आदिम शब्द का प्रयोग किया

जी. एस. घुर्ये ने जनजातियों हेतु पिछड़े हिन्दू शब्द का प्रयोग किया है।

N. P. विद्यार्थी ने जनजातियों को गिरिजन कहा है अर्थात पहाड़ी में रहने वाले।

जनजातीय समाज की विशेषताएं -

✓ निश्चित भाषा बोलते हैं।

✓ निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में निवास करते हैं।

✓ तकनीकी दृष्टि से पिछड़े / अशिक्षित

- मुख्य व्यवसाय - शिकार / भोजन का संग्रहण

- सरल श्रम विभाजन

- जादू टोना या पूजा में विश्वास

✓ टोटमवाद पर आधारित

टोटमवाद शब्द का पहली बार प्रयोग - इमाइल दुर्खीम।

टोटमवाद का अर्थ - एक प्राकृतिक देवता का चिन्ह

Scanned by CamScanner

ग्रामीण श्रमिक

- वह व्यक्ति जो या तो श्रमिक के रूप में कृषि पर [illegible] अपनी आजीविका चलाता है [illegible] ग्रामीण श्रमिक कहा जाता है।

ग्रामीण-श्रमिक [illegible] की 4 श्रेणियाँ होती हैं —

भू-स्वामी किसान — [illegible] किसान

[illegible] श्रमिक — [illegible] किसान

काश्तकार किसान — [illegible] मजदूर

भारतीय किसान की विशेषताएँ

[illegible] के अनुसार

गरीब, ऋणग्रस्त
अशिक्षित
भाग्यवादी [illegible]

औद्योगिक श्रमिक

- वह व्यक्ति जो कारखानों उद्योग धंधों में काम करके, अपनी आजीविका चलाता है।

विशेषताएँ :

जनसंख्या की अधिकता
[illegible] व परिवार की महत्वहीनता
[illegible] में [illegible]
[illegible] का [illegible] संस्थाकरण

Scanned by CamScanner

वैयक्तिक संबंधों की प्रधानता
सामाजिक समरसता व कृत्रिमता का बोलबाला।

1- उत्तर औद्योगिक समाज

→ यह वह समाज होता है जिसमें सभी प्रकार के कार्य कम्प्यूटर के माध्यम से सम्पन्न होने लग जाए या रोबोट का प्रयोग होने लग जाए तो उसे उत्तर औद्योगिक समाज कहते है।

* विशेषताएं

→ इस समाज में सर्वाधिक प्रयोग कम्प्यूटरीकृत होता है।

→ सर्वाधिक संचालन कार्य रोबोट के माध्यम से।

→ गंदी बस्तियों का निर्माण।

→ वैयक्तिक व गुणहीन समाज का निर्माण।

→ रिश्तों व नातों का बिखराव।

→ आर्थिक रूप से समृद्ध परन्तु भावनात्मक दृष्टि से पिछड़ा मानव।

https://OnlineTestSeriesFor.com/

Scanned by CamScanner